उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग
परीक्षा पाठ्यक्रम

डाउनलोड उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग मुख्य परीक्षा पाठ्यक्रम

वैकल्पिक विषयः चिकित्सा विज्ञान (Medical Science)

Downloaded from: http://studymarathon.com/

प्रश्नपत्र - I (Paper - I)

1. मानव शरीर:

सकलशरीर, अनुप्रयुक्त शरीर, सक्तसंभरण एवं जिह्वा का लिफीय अपवाह, थायरॉइड, स्तन ग्रंथि, जठर, यकृत, प्रॉस्टेट, जननग्रंथि गर्भाशय, हृदय एवं फेफड़े।

उपरि एवं अधोशाखाओं, स्कंधसंधियों, कूल्हे एवं कलाई में रक्त एवं तंत्रिका संभरण समेत अनुप्रयुक्त शरीर।

डायाफ्राम, पेरीनियम एवं वंक्षणप्रदेश का अनुप्रयुक्त शरीर।

वृक्क, मूत्राशय, गर्भाशय नलिकाओं, शुक्रवाहिकाओं का अनुप्रयुक्त शरीर।

भ्रूणविज्ञान: अपरा एवं अपरा रोध। हृदय, आंत्र, वृक्क, गर्भाशय, डिंबग्रंथि, वृषण का विकास एवं उनकी सामान्य जन्मजात असामान्यताएं।

केन्द्रीय एवं परिसरीय स्वसंचालित तंत्रिका तंत्रः मस्तिष्क के निलयों, प्रमस्तिकमेरू द्रव के परिभ्रमण का सकल एवं रोगलक्षण शरीर, तंत्रिका मार्ग एवं त्वचीय संवेदन, श्रवण एवं दृष्टि विक्षित, कपाल तंत्रिकाएं, वितरण एवं रोगलाक्षणिक महत्व, स्वसंचालित तंत्रिका तंत्र के अवयव, इंटरनल कैप्सूल एवं सेरिब्रल कार्टेक्स।

2. ह्यूमन फिजीयोलोजी

1. ब्लड- इम्युमिनिटी, टीसेल, बीसेल।
2. सी0वी0एस0- कार्डियक साइकिल,
3. रैस्पीरेशन- आब्सटैªकिटिव डीजीज, एसिडबेस बैलेन्स।

किडनी- मिकटयूरेशन रीफलेक्स, रीनल स्टोन,
जीआईटी- लीवर फेलियर, जौनडिस, (आब्सट्रैकिटिव, हिपैटिक, हीमोलाइटिक) एक्यूट पेनक्रिटाइटिस
एण्डोक्राइन- ग्वाइटर माइलाइटेस, आसटियोमलेशिया, मास्टरगलैण्ड
नर्वस-सिस्टम - सैरिब्रल स्ट्रोक, पार्किन्सन डीजीज, हैमीपिलीजिया, पैरापीलिजिया
स्पेशल सेन्सेस- नाइट ब्लाइण्डनेस, कैटरेक्ट, मायोपिया। हाइपर मैट्रोपिया, एम्बालयोपिया
रिप्रोडक्शन- प्रेगनेन्सी टेस्ट, लैक्टेशन, एमीनोरिया, स्टरलिटी इन मेल एवं फिमेल, ओव्यूलेशन, स्पर्म काउण्ट।

3 .जैव रसायन:-

1. अंगकार्य परीक्षण- यकृत, वृक्क, थायरॉइड।
2. प्रोटीन संश्लेषण
3. विटामिन एवं खनिज
4. पालीमेरेज श्रृंखला प्रतिक्रिया (पीसीआर)
5. किण्वक एवं जैव चिन्ह
6. मधुमेह एवं रक्त शर्करा स्तर
7. डी एन ए प्रतिरूप
8. आर एन ए प्रतिलिपि
9. डी एन ए मरम्मत तंत्र
10. लिपिड प्रोफाइल
11. पोषण
12. रूधिर वर्णिका
13. मुक्त कण एवं आक्सी करण रोधी

Downloaded from: http://studymarathon.com/

4. विकृति विज्ञान:

थोथ एवं विरोहण, वृद्धि विक्षोथ एवं कैन्सर रहयूमैटिक एवं इस्कीमिक हृदय रोग एवं डायबिटीज मेलिटस का विकृतिजनन एवं ऊतकविकृति विज्ञान। सुदम्य, दर्दम, प्राथमिक एवं विक्षेपी दर्दमता में विभेदन, श्वसनीजन्य कार्सिनोमा का विकृतिजनन एवं ऊतकविकृति विज्ञान, स्तन कार्सिनोमा, मुख कैंसर, ग्रीवा कैसर, ल्यूकीमिया, यकृत सिरोसिस, स्तक्कवृक्कशोथ, यक्ष्मा तीव्र अस्थिमज्जाशोथ का हेतु, विकृतिजनन एवं ऊतक विकृति विज्ञान, रक्तअल्पता, थैलेसीमिया,फैटी लीवर, अपेन्डिक्स शोथ, पित्त की थैली की पथरी, स्वप्रतिरक्षित रोग, स्टेम कोशिका।

5. सुक्ष्म जैविकी:-

देहद्रवी एवं कोशिका माध्यमित रोगक्षमता, काक्स पाश्चुलेट निम्नलिखित रोगकारक एवं उनका प्रयोगशाला निदानः

- मेर्निगोकाक्कस, सालमोनेला
- टयूबरकूलोशिस, शिंगेला, हर्पीज, डेंगू, पोलियो, बैक्ट्रीरियोफेजेस्, इन्फेलुएन्जा वायरस, जैपानीज एन्सेफलाइटिस
- एच0आई0वी0/एड्स, मलेरिया, एन्टअमीबा हिस्टोलिटिका, गियार्डिया
- कैंडिडा, क्रिप्टोकॉक्कस,ऐस्पर्जिलस

6. भेषजगुण विज्ञान:

- औषधि नामकरण
- प्रतिकूल औषधि प्रतिक्रिया
- औषधि अधिनियम एवं औषधि अनुसूची
- औषधि का नैदानिक परीक्षण
- औषधि की आयु
- औषधि का प्रचार
- मादक पदार्थों की लत (ड्रग एडक्शिन)
- फार्मोकोविजिलेन्स कार्यक्रम
- औषधि हेतु पर्चा लिखना
- निम्नलिखित औषधियों का पार्श्वप्रभावः
- ऐन्टिपायरेटिक्स एवं, एनाल्जेसिक्स, ऐन्टिबायोटिक्स, ऐन्टिमलेरिया, ऐन्टिकालाजार, ऐन्टिडायाबेटिक्स
- ऐन्टिहायपरटेंसिव, ऐन्टिवाइरल, ऐन्टिपैरासिटिक, ऐन्टिफंगल, इम्यूनोसप्रेशैटस, ऐन्टिकैंसर, ऐन्टीडायरियल, ऐन्टीटुबरकुलर, डाययूरेटिक।

7. न्याय संबधी औषध एवं विषविज्ञान:

चिकित्सकीय आचार संहिता और कानून, गर्भावस्था, प्रसव एवं गर्भपात-चिकित्सा विधिक संदर्भ में, यौन अपराध, क्षति एवं घावों की न्याय संबंधी परीक्षा, रक्त एवं शुक्र धब्बों की परीक्षा, विषाक्तता, शामक अतिमात्रा, फांसी, डूबना, जलना, डी0एन0ए0 एवं फिंगरप्रिट अध्ययन।

Downloaded from: http://studymarathon.com/

प्रश्न पत्र - II (Paper - II)

1. सामान्य काय चिकित्सा:-

(अ) कारण, रोग के लक्षण, निदान एवं प्रबन्धन (निवारण एवं रोकथाम सहित) व सिद्धान्त: टिटनेस, रैबीज, एचआईवी/एड्स, डेन्गू, जापानी इन्सेफलाइटिस, टायफाइड, कुष्ठरोग, तपेदिक, मलेरिया, भारतीय कालाजार,रूह्युमेटिक हृदय रोग।

(ब) कारण, रोग के लक्षण, निदान एवं प्रबन्धन के सिद्धान्त: हृदय धमनियों के अवरोध (IHD) रक्तचाप, मधुमेह, हाईपर थायोराइडसिम, हाईपो थायोराइडसिम, मिर्गी, अस्थमा, क्रानिक आब्सटेक्टिव लंग रोग (COPD), पिल्युरल इफयुजन वाइरलहेपटाइटिस यकृत सिरोसिस पेप्टिक रोग, न्युमोनिया, अक्यूपेशनल, फेफड़ा रोग।

(स) कारण रोग के लक्षण, निदान एवं प्रबन्धन के सिद्धान्त: ग्लोमूरूलोनेफराइटिस, नेफ्रोटिक/नेफ्ररेटिक सिन्ड्रोम, वृक्कपात, हाइपोनेट्रिमिया, थैलेसिमिया, एनिमिया, हिमोफिलिया, रक्त कैंसर, लिम्फोमा , गठियारोग, आस्टियोंपोरोसिस, मूत्र नलिका संक्रमण, मेनेनजाइटिस, इन्सेफेलाइटिस,

(द) मेडिकल आकस्मिक रोग: लू, डूबना, आरगेनो फासफोरस विषक्तता, अलमूनिया फासफाइड विषक्तता।

(य) एंगजाइटिस, साइकोससिस, डिमेन्सिया

(र) मेडिको लीगल विषयकः गले की फॉसी, अल्कोहलिस्म

(व) काय चिकित्सा में परीक्षण: अल्ट्रासाउन्ड, सी टी स्कैन, एम आर आई, इकोकार्डियाग्राफी, इन्डोस्कोपी, बोन मैरो एस्पिरेशन,सीएसएफ फ्लूड परीक्षण, पूर्ण रक्त परीक्षण (CBC).

2. बालरोग विज्ञान:

रोगप्रतिरोधीकरण, बेबी-फ्रेडली अस्पताल, स्तनपान, जन्मजात ष्याव हृदय रोग, श्वसन विक्षोभ संलक्षण, श्वसनी-फुफ्फुसशोथ, (ब्रोन्कोन्यूमोनिया), नवजात शिशु कामला, प्रमस्तिष्कीय नवजात कामला, IMNCI वर्गीकरण एवं प्रबंधन, PEM कोटिकरण एवं प्रबंध, ARI एवं दस्त (अतिसार) पॉच वर्ष से छोटे बच्चों में एवं प्रबंध।

3. त्वचा विज्ञान:

स्त्रोरिएसिस, स्केबीज, एक्जीमा, विटिलिगो, स्टीवन जानसन सिन्ड्रोम एवं टी0ई0एन0, लाइकेन प्लेनस। कुष्ठ रोग, त्वचा के बैक्टेरियल, वायरल एवं फंगल संक्रमण।

4- सामान्य शल्य चिकित्सा:

खंडतालु खंडोष्ठ की रोगलक्षण विशेषता, कारण एवं प्रबंध के सिद्धान्त। स्वरयंत्रीय अर्बुद, मुख एवं ईसौफैगस अर्बुद। परिधीय धमनी रोग, वेरिकोज वेन्स, थायराइड, अधिवृक्क ग्रंथि के अर्बुद। फोड़ा, कैंसर, स्तन का तंतुगं्रथि अर्बुद एवं ग्रंथिलता पेप्टिक अल्सर रक्तस्राव, आंत्र यक्ष्मा, अल्सरेटिव कोलाइटिस, जठर कैंसर, वृक्क मास, प्रोस्टेट कैंसर, सुसाध्य प्रास्टेट हाइपरप्लेसिया (बी0पी0एच0)।

Downloaded from: http://studymarathon.com/

हीमोथौरैक्स, पित्ताशय, वृक्क, यूरेटर एवं मूत्राशय की पथरी। रेक्टम, एनस, एनल कैनाल, पित्ताशय एवं पित्तवाहिनी की शल्य दशाओं का प्रबंध।

पोर्टल अतिरक्तदाब, यकृत फोड़ा, पेरीटोनाटिस, पेरीएम्पुलरी कार्सिनामा।

रीढ़ विभंग, कोली विभंग एवं अस्थि ट्यूमर एंडोस्कोपी, लैप्रोस्कोपिक सर्जरी।

उन्नत आघात जीवन समर्थन प्रणाली (ए0टी0एल0एस0)।

सर्जिकल एथेक्सि।

5- प्रसूति विज्ञान एवं परिवार नियोजन समेत स्त्री रोग विज्ञान:-

फर्टिलाइजेशन व इम्प्लान्टेशन, प्लेसेन्टा का विकास, कार्य, विकृतियॉ व उनका निदान। गर्भावस्था में देखभाल सगर्भता का निदान प्रसव प्रबंध, तृतीय चरण उपद्रव, प्रसवपूर्ण एवं प्रसवेत्तर रक्त स्त्राव, नवजात का पुनरूज्जीवन, असामान्य स्थिति एवं कठिन प्रसव का प्रबंध, कालपूर्व प्रसव, कम बढत वाले नवजात का प्रबंध। बर्थ इन्जीयूरीस। अरक्तता का निदान एवं प्रबंध। सगर्भता का प्रीएक्लैप्सिया एवं एक्लैप्सिया आर0एच0 निगेटिव, मधुमेह व अधिसंख्य गर्भधारण। इंट्रा- यूटैरीन युक्तियॉ गोलियॉ, ट्यूबेक्टॉमी एवं वैसेक्टॉमी। सगर्भता का चिकित्सकीय समापन जिसमें विधिक पहलू शामिल है। गर्भाशय का विकास, विकृतियॉ एवं उनका निदान, गर्भपात एवं एक्टापिक प्रेगनेन्सी का कारण एवं निवारण, यूनी से श्राप, पेल्विक पेन, वंध्यता, एबनार्मल यूटेरीन रक्तस्त्राव (AUB), अमीनोरिया, यूटरस का तंतुपेशी (फायब्रायड)अर्बुद एवं भ्रंश। रजोनिवृत्युत्तर संलक्षण का प्रबंध, ग्रीवा कैंसर, गर्भाशय एवं अण्डाशय का कैंसर

6. समुदाय कायचिकित्सा (निवारक एवं सामाजिक कार्य चिकित्सा)

1. स्वास्थ्य एवं रोगों सम्बन्धी अवधारणायें।
2. सिद्धान्त, प्रणाली , उपागम एवं जनपदिक रोग विज्ञान का मापन।
3. खाद्य एवं पोषण सुरक्षा, पोषण सम्बन्धी रोग/विकास एवं राष्ट्रीय पोषण कार्यक्रम।
4. पर्यावरण के घटक, प्रदूषण सम्बन्धी रोग एवं सम्पूर्ण स्वच्छता अभियान, अस्पताल एवं उद्योग अपशिष्ट प्रबन्धन।
5. स्वास्थ्य सूचना प्रणाली, स्वास्थ्य सांख्यिकी, जनसांख्यिकी, सूचना प्रसार एवं सम्प्रेरणा से संबंधित मूलभूत बातें।
6. स्वास्थ्य प्रबन्धन एवं प्रशासन- तकनीक, साधन, कार्यक्रम, कार्यन्वयन एवं मूल्यांकन।
7. स्वास्थ्य देखभाल प्रदाय प्रणाली का क्रांतिक मूल्यांकन।
8. जनन एवं शिशु स्वास्थ्य के उद्देश्य, घटक, लक्ष्य एवं स्थिति, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, सहाश्राब्दी एवं सतत विकास लक्ष्य।
9. राष्ट्रीय स्वास्थ्य संबंधी कार्यक्रमों के उद्देश्य, घटक एवं क्रांतिक विश्लेषण (क) संचारी रोग (कीटजनति रोग नियंत्रण राष्ट्रीय कार्यक्रम, ने0वे0 बार्न डीजीज कन्ट्रोल कार्यक्रम), (ख) गैर संक्रामक
रोग (गैर संक्रामक रोग के नियंत्रण हेतु राष्ट्रीय कार्यक्रम, राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम, वृद्धावस्था मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम)
10. व्यवसाय सम्बन्धित स्वास्थ्य।
11. आपदा प्रवंधन एवं मेले एवं त्योहारों में स्वास्थ्य प्रबन्धन।
12. स्वास्थ्य से सम्बन्धित नीतियॉ, अधिनियम एवं कानून।
13. राष्ट्रीय एवं अंतराष्ट्रीय स्वास्थ्य संगठन।

Downloaded from: http://studymarathon.com/